



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 28 जुलाई, 2003/6 शावण, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

प्रशिक्षण एवं विदेशी समनुदेशन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 9 जून, 2003

संख्या का० (प्र०) (ए) 3-7/89. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, [हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की समसंख्यांक अधिसूचना तारीख 29 नवम्बर, 1995 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, वर्ग-III (ग्रामपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1995 में और संगोष्ठन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, वर्ग-III (ग्रामपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संगोष्ठन) नियम, 2003 है।
(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपावन्ध "I" का सशोधन.—हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान कनिष्ठ वेतनमान आणुलिंगि, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1995 के उपावन्ध "I" में :—

(क) स्तम्भ संख्या 2 में अंकों कोष्ठकों और शब्दों "4 (चार)" के स्थान पर "3 (तीन)" अंक कोष्ठक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—

"4400-150-5000-160-5800-200-7000 रुपए"

(ग) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"18 से 45 वर्ष"

(घ) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

उन आशुटंककों में से प्रोन्नति द्वारा, जो नियम 7(ii) के अनुसार यथा विहित शैक्षणिक अर्हताएं रखते हों, और जिनका 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या लगातार तदर्थ सेवा सहित 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर अन्य विभागों में इस पद के समरूप वेतनमान में कार्यरत पदधारियों में से स्थानान्तरण द्वारा।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्मरण पद में लगातार की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्मरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्मरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुभरण में हा) के प्राप्ति पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु यह और कि उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार हिया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की अनुनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी इनमें से कम हो, होगी :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुरु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के निए अपात्र हो जाता है, वहां उसमें कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अग्रात्र नदीं गमजा जाएगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईजड आर्मेड फोर्सिस परस्पनल (रिजर्वेशन आफ बैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत त्रीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ बैकेन्सीज इन द्वी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1985

के नियम 3 के प्रागभानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के मध्यी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व गम्भरण पद पर की गई निरन्तर तदर्थ गंवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्ति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्ति नियमों के उपबन्धों के अनुसार भी गई थी :

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके कलम्बूरा पारस्परित वरीयता अपारिवर्तित रहेगी।

(3) स्तम्भ में नियम 14 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अप्पर्यो का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है”।

प्रादेश द्वारा,

श्रीविन्द कौल,
अतिरिक्त मुख्य सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. Per. (Trg.) A(3)-7/89, dated 9-6-2003 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

TRAINING AND FOREIGN ASSIGNMENT DEPARTMENT NOTIFICATION

Shimla-2, the 9th June, 2003

No. Per. (Trg.) A(3)-7/89.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh Institute of Public Administration, Junior Scale Stenographer Class-III (Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1995 notified vide this department notification of even number, dated 29-11-1995, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Institute of Public Administration, Junior Scale Stenographer, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2003.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure “I”.*—In Annexure “I” to the Himachal Pradesh Institute of Public Administration, Junior Scale Stenographer, Class-III (Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1995:—

(a) For the existing provisions against Column No. 2, for the figures and words “4 (Four)” the figures and words “3 (Three)” shall be substituted.

(b) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs 4400-150-5000-160-5800-200-7000”.

(c) For the existing provisions against Column No. 6, the following shall be substituted, namely:—
“Between 18 and 45 years”.

(d) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

By promotion from amongst the Stenotypists who fulfill the educational qualifications as prescribed *vide* rule 7(ii) above and also possess 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service failing which by transfer from amongst the incumbents working in the pay scales of this post in other departments.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules:

Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the 'provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post, cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of rule 3 of Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

(e) For the existing provisions against Column No. 14, the following shall be substituted, namely:—

“A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India”.

By order,

ARVIND KAUL,
Additional Chief Secretary.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित